बी.ए. पाठ्यक्रम

V & VI SEMESTER

(वर्ष 2024—25)

(NEP-2020)

हिन्दी विभाग

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Scanned with OKEN Scanner

Proposed Course Structure of the Academic Programme with Multiple Entry - Multiple Exit Framework as per the UGC Guidelines & NEP-2020

B.A. V & VI SEM (Hindi)
(2024-25)

Level	Sem	Nature of the Course	Course Code	Course Title	Credits
L7	Vth	Discipline Specific : Major-1	HIN-DSM-511	अस्मितामूलक अध्ययन और हिन्दी साहित्य	6
		Multi Disciplinary : Major-2	HIN-MDM-511	लोक साहित्य और संस्कृति	6
		Ability Enhancement Course (AEC)	HIN-AEC-511	साहित्य और हिन्दी सिनेमा	2
	VIth	Discipline Specific : Major-3	HIN-DSM-611	साहित्य सिद्धांत	6
		Multi Disciplinary : Major-2	HIN-MDM-611	हिन्दी भाषा एवं लिपि का इतिहास	6
		Skill Enhancement Course (AEC)	HIN-SEC-611	हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण	2

Exit with Degree

10.05.24

10.5.24

Scanned with OKEN Scanner

Level-7

हिन्दी विभाग

बी.ए. पंचम सेमेस्टर

Discipline Specific Major-1

HIN-DSM-511 (अस्मितामूलक अध्ययन और हिन्दी साहित्य)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-7 SEM-Vth	HIN-DSM-511	अस्मिता मूलक अध्ययन और हिन्दी साहित्य	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	Dr. Arvind Kumar

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में समाज में वंचित और हाशिये का जीवन जी रहे मनुष्यों के विषय में समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थी अस्मितावादी विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचित होकर एक बेहतर समाज के निर्माण में अपनी भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	दलित विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचित होकर दलितों के उत्थान में फुले और अम्बेडकर के योगदान को समझ सकेंगे।
CO2	भारतीय और पाश्चात्य संदर्भों में स्त्री विमर्श की अवधारणा को समझ सकेंगे।
CO3	आदिवासी विमर्श की अवधारणा को समझ सकेंगे।
CO4	विमर्शमूलक कथा साहित्य के अन्तर्गत कैलाश वानखेड़े, सुशीला टाकभौरे और नासिरा शर्मा की कहानियों का अध्ययन कर सकेंगे।
CO5	विमर्शमूलक कविता के अन्तर्गत ओमप्रकाश वाल्मीकि, असंगघोष, कात्यायनी और अनामिका की कविताओं का अध्ययन कर सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1 **दलित विमर्श** : अवधारणा और इतिहास, फुले और अम्बेडकर **(18 व्याख्यान)**

इकाई–2 **स्त्री विमर्श** : अवधारणाएँ और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय) **(18 व्याख्यान)**

इकाई–3 **आदिवासी विमर्श** : अवधारणा और इतिहास : जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल **(18 व्याख्यान)**

10.05.24

Scanned with OKEN Scanner

इकाई–4 विमर्शमूलक कथा साहित्य : **(18 व्याख्यान)**

कैलाश बानखेड़े – सत्यापन
सुशीला टाकभौरे – सिलिया
नासिरा शर्मा – खुदा की वापिसी

इकाई–5 विमर्शमूलक कविता : **(18 व्याख्यान)**

ओमप्रकाश वाल्मीकि – ठाकुर का कुआं
असंगघोष – मैं दूँगा माकूल जवाब
कात्यायनी – सात भाइयों के बीच चम्पा
अनामिका – स्त्रियाँ

सहायक ग्रन्थ :

- स्त्री उपेक्षिता – सिमोन दा बोउवा, अनुवाद प्रभा खेतान।
- गुलामगिरी – ज्योतिबा फुले, सम्यक प्रकाशन, नई दिल्ली।
- उपनिवेश में स्त्री – प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- दलित आंदोन का इतिहास – मोहनदास नैमिशराय।
- अम्बेडकर रचनावली भाग–1 – अंबेडकर फाउण्डेशन, नई दिल्ली।
- औरत होने की सजा – अरविंद जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- नारीवादी राजनीति – जिनी निवेदिता, हिन्दी माध्यम क्रियान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा – सुधा सिंह, हिन्दुस्तान एकेडमी, दिल्ली।
- दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
- दलित साहित्य के प्रतिमान – डॉ. एन. सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- आदिवासी स्वर और नई शताब्दी – सं. रमणिका गुप्ता, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- आदिवासी अस्मिता का संकट – रमणिका गुप्ता, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।
- स्त्री संघर्ष का इतिहास – राधा कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- स्त्री चिंतन की चुनौतियां – रेखा कस्तवार, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

10.05.24

Scanned with OKEN Scanner

Level-7

हिन्दी विभाग
बी.ए. पंचम सेमेस्टर
Multi Disciplinary Major-2
HIN-MDM-511 (लोक साहित्य और संस्कृति)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-7 SEM-V	HIN-MDM-511	लोक साहित्य और संस्कृति	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	Dr. Sanjay Nainvad

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में लोक साहित्य और संस्कृति के प्रति एक बेहतर समझ विकसित करना है।
- इसके माध्यम से वे अपनी लोक परम्परा से परिचित होंगे तथा उनके अन्दर लोक साहित्य और संस्कृति का बोध विकसित होगा।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	लोक का अर्थ समझ सकेंगे तथा लोक संस्कृति से परिचित हो सकेंगे।
CO2	लोक साहित्य की निर्मिति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली जनपदीय बोलियों से परिचित हो सकेंगे।
CO3	लोक साहित्य की विधाओं से परिचित हो सकेंगे।
CO4	प्रकीर्ण लोक साहित्य के अन्तर्गत लोकोक्ति, मुहावरे इत्यादि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
CO5	लोक संस्कृति के अन्तर्गत लोकनृत्य, लोक संगीत, लोक–वाद्य इत्यादि से परिचित हो सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1 लोक साहित्य की अवधारणा और स्वरूप **(18 व्याख्यान)**

लोक का अर्थ, परिभाषा और क्षेत्र
लोकजीवन और लोकसंस्कृति, लोककला

इकाई–2 विभिन्न जनपदीय बोलियाँ और लोकसाहित्य **(18 व्याख्यान)**

राजस्थानी, ब्रजभाषा, अवधी, बुन्देली, छत्तीसगढ़ी, कौरवी, भोजपुरी, कन्नौजी

10.05.24

Scanned with OKEN Scanner

इकाई–3 लोकसाहित्य की विधायें **(18 व्याख्यान)**

लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा एवं लोकनाट्य

इकाई–4 प्रकीर्ण लोकसाहित्य **(18 व्याख्यान)**

लोकोक्ति, मुहावरें, बतकही, गारी व अन्य

इकाई–5 लोकसंस्कृति **(18 व्याख्यान)**

संस्कार, लोकनृत्य, लोकसंगीत, लोकवाद्य, वेष–भूषा आदि

सहायक ग्रन्थ :

- लोकसाहित्य और संस्कृति – दिनेश्वर प्रसाद, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- लोक संस्कृति : आयाम एवं परिप्रेक्ष्य – महावीर अग्रवाल, शंकर प्रकाशन, दुर्ग म.प्र.।
- भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा – दुर्गा भागवत (सम्पा.)
- लोक साहित्य : सिद्धान्त और प्रयोग – श्रीराम शर्मा
- लोकसाहित्य – राजेश श्रीवास्तव, कैलाश बुक सदन, भोपाल
- लोकसाहित्य – श्याम परमार
- लोकसाहित्य – लेख–आलेख, मोहन पाटिल
- भारतीय लोकसाहित्य कोष – सुरेश गौतम
- लोकसाहित्य विज्ञान – डॉ. सत्येन्द्र

10.05.24

Scanned with OKEN Scanner

Level-7

हिन्दी विभाग

बी.ए. पंचम सेमेस्टर

Ability Enhancement Course (AEC)

HIN-AEC-511 (साहित्य और हिन्दी सिनेमा)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-7 SEM-Vth	HIN-AEC-511	साहित्य और हिन्दी सिनेमा	2	0	0	2	Mid-40 End Sem-60	Dr. Ashutosh Mishra

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र का मूल उद्देश्य यह है कि इससे विद्यार्थियों में साहित्य पढ़ने और सिनेमा देखने की समझ विकसित होगी, जिससे वे अपने जीवन की दिशा तय कर सकेंगे।
- इसके माध्यम से विद्यार्थी सिनेमा की समीक्षा करना सीख सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	विश्व में सिनेमा के उदय तथा सिनेमा की सामाजिक भूमिका को समझ सकेंगे।
CO2	साहित्यिक रूपांतरण से निर्मित सिनेमा का अध्ययन कर उसकी निर्मिति को समझ सकेंगे।
CO3	हिन्दी सिनेमा के संक्षिप्त इतिहास से परिचित हो सकेंगे।
CO4	साहित्य और सिनेमा के सम्बन्ध को समझ सकेंगे।
CO5	विभिन्न फिल्मों के अध्ययन के माध्यम से सिनेमा की समीक्षा की समझ विकसित कर सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1 साहित्य और सिनेमा : **(10 व्याख्यान)**

विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा : कला या मनोरंजन

इकाई–2 साहित्य और हिन्दी सिनेमा : **(10 व्याख्यान)**

प्रमुख साहित्यिक कृतियों की सिनेमाई प्रस्तुति– उमराव जान, चित्रलेखा, देवदास, शतरंज के खिलाड़ी

इकाई–3 हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : **(10 व्याख्यान)**

प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आंदोलन और हिन्दी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ

10-05-24

Scanned with OKEN Scanner

इकाई–4 साहित्य और सिनेमा : **(10 व्याख्यान)**

अंतर्संबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रूपान्तरण और तकनीक

इकाई–5 फिल्म समीक्षा : **(10 व्याख्यान)**

मदर इंडिया, तारे जमीं पर, हिन्दी मीडियम

सहायक ग्रन्थ :

- पश्चिम और सिनेमा – दिनेश श्रीनेत, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र – जवरीमल्ल पारख, ग्रन्थ शिल्पी, नई दिल्ली।
- शहर और सिनेमा : वाया दिल्ली – मिहिर पंड्या, वाणी प्रकाशन दिल्ली।
- सिनेमा और संस्कृति – राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- सिनेमा : कल, आज और कल – विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- भारतीय सिने सिद्धान्त – अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चढ्ढा
- नई सदी का सिनेमा – विपिन शर्मा
- अभिनव सिनेमा – प्रचण्ड प्रवीर
- हाउसफुल – ललित जोशी
- फिल्मक्षेत्रे रंगक्षेत्रे – अमृतलाल नागर
- कथा पटकथा – मन्नू भंडारी
- बाजार के बाजीगर – प्रहलाद अग्रवाल

10.05.24

Scanned with OKEN Scanner

Level-7

हिन्दी विभाग

बी.ए. षष्ठ सेमेस्टर

Discipline Specific Major -1

HIN-DSM-611 (साहित्य सिद्धान्त)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-7 SEM-VIth	HIN-DSM-611	साहित्य सिद्धान्त	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	Dr. Himanshu Kumar

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा की समझ विकसित कर सकेंगे।
- इसके अध्ययन से विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्तों तथा विभिन्न साहित्यिक वादों से परिचित होकर अपनी दृष्टि का निर्माण कर सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	काव्य लक्षण, काव्य–हेतु और काव्य के प्रयोजन को समझ सकेंगे।
CO2	भारतीय काव्यशास्त्र के अन्तर्गत अलंकार, रीति, वक्रोक्ति एवं औचित्य सिद्धान्त का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
CO3	रस एवं ध्वनि सिद्धान्त तथा काव्य की आत्मा से परिचित हो सकेंगे।
CO4	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के अन्तर्गत अरस्तू, क्रोंचे, लांजाइनस, रिचर्डस एवं इलियट के काव्य सिद्धांतों से परिचित हो सकेंगे।
CO5	हिन्दी के प्रमुख आलोचकों का परिचय प्राप्त कर प्रमुख साहित्यिक वाद का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1	काव्य लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन	**(18 व्याख्यान)**
इकाई–2	अलंकार, रीति, वक्रोक्ति एवं औचित्य सिद्धान्त का संक्षिप्त परिचय	**(18 व्याख्यान)**
इकाई–3	**रस सिद्धान्त** : रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति, प्रमुख व्याख्याकार **ध्वनि सिद्धान्त** : ध्वनि का स्वरूप, सिद्धान्त और ध्वनि भेद **काव्य की आत्मा**	**(18 व्याख्यान)**

10.05.24

Scanned with OKEN Scanner

इकाई–4 अरस्तू : अनुकृति सिद्धान्त **(18 व्याख्यान)**

क्रोंचे : अभिव्यंजनावाद

लॉजाइनस : उदात्त सिद्धान्त

रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धान्त

टी.एस. इलियट : परम्परा और व्यक्तित्व का प्रश्न, निर्वेयक्तिकता का सिद्धान्त

इकाई–5 हिन्दी के प्रमुख आलोचक : **(18 व्याख्यान)**

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

नई समीक्षा

सहायक ग्रन्थ :

- काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
- संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र – गोपीचंद नारंग, साहित्य अकादमी, दिल्ली।
- काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा – निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- रस–सिद्धान्त और सौन्दर्यशास्त्र – निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- भारतीय काव्य–विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – बच्चन सिंह, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकुला।
- भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा – रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

10.05.24

Scanned with OKEN Scanner

Level-7

हिन्दी विभाग

बी.ए. षष्ठ सेमेस्टर

Multi Disciplinary Major- 2

HIN-MDM-611 (हिन्दी भाषा एवं लिपि का इतिहास)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-7 SEM- VIth	HIN-MDM-611	हिन्दी भाषा और लिपि का इतिहास	6	0	0	6	Mid-40 End Sem-60	Dr. Afroz Begum

Course Objectives :

- इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में भाषा और लिपि का सम्यक् ज्ञान विकसित हो सकेगा।
- इसके माध्यम से विद्यार्थी हिन्दी भाषा के वैश्विक परिदृश्य से परिचित होकर हिन्दी के महत्व को समझ सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	भाषा के अर्थ तथा हिन्दी भाषा के उद्भव से परिचित हो सकेंगे।
CO2	हिन्दी की उपभाषाओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
CO3	भाषा के विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
CO4	लिपि के इतिहास से परिचित हो सकेंगे।
CO5	हिन्दी के वैश्विक परिदृश्य को समझकर हिन्दी के भविष्य पर विचार करने की क्षमता विकसित कर सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1 भाषा की अवधारणा एवं स्वरूप : **(18 व्याख्यान)**

भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएं, भाषा का मानक स्वरूप, हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास, भाषा और बोली

इकाई–2 हिन्दी की उपभाषाएं : **(18 व्याख्यान)**

पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी हिन्दी, बिहारी हिन्दी, पहाड़ी हिन्दी व उनकी बोलियाँ एवं विशेषताएँ

10.05.24

Scanned with OKEN Scanner

इकाई–3 भाषा के विविध रूप : (18 व्याख्यान)

संचार भाषा, संपर्क भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, भाषा की संवैधानिक स्थिति

इकाई–4 लिपि का इतिहास : (18 व्याख्यान)

लिपि का प्रारम्भ, लिपि विकास के चरण, भारतीय लिपियाँ – खरोष्ठी लिपि, ब्राह्मी लिपि और देवनागरी लिपि

इकाई–5 हिन्दी का भविष्य (18 व्याख्यान)

सूचना प्रौद्योगिकी, वैश्विक परिदृश्य, विदेशों में हिन्दी शिक्षण, अनुवाद, हिन्दी का प्रवासी साहित्य

सहायक ग्रन्थ :

- भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब घर, नई दिल्ली
- हिन्दी शब्दानुशासन – किशोरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- हिन्दी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरू, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- देवनागरी लिपि – नरेश मिश्र
- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – वासुदेवशरण अग्रवाल
- भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद
- हिन्दी भाषा विज्ञान – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
- हिन्दी का विश्व संदर्भ – करुणाशंकर उपाध्याय

10.05.24

Scanned with OKEN Scanner

Level-7

हिन्दी विभाग

बी.ए. षष्ठ सेमेस्टर

Skill Enhancement Course (SEC)

HIN-SEC-611 (हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण)

Level & Semester	Course Code	Title of the Course	Credits				Marks	Course Coordinator
			L	T	P	C		
L-7 SEM- VIth	HIN-SEC-611	हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण	2	0	0	2	Mid-40 End Sem-60	Dr. Rajendra Yadav

Course Objectives :

- इसके माध्यम से विद्यार्थी भाषा और सम्प्रेषण के अन्तर्सम्बन्ध को समझ सकेंगे तथा उनके अन्दर भाषा कौशल विकसित होगा।
- इसके अध्ययन से विद्यार्थी सम्प्रेषण की सैद्धांतिकी को समझकर अपने जीवन को बेहतर बना सकेंगे।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन के पश्चात विद्यार्थीगण निम्नलिखित बोध से संपृक्त हो सकेंगे–

Unit	Unit wise Learning Outcomes
CO1	सम्प्रेषण की अवधारणा को समझकर सम्प्रेषण के विभिन्न माडलों से परिचित हो सकेंगे।
CO2	सम्प्रेषण के विभिन्न प्रकारों से परिचित हो सकेंगे।
CO3	सम्प्रेषण के माध्यमों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
CO4	डॉ. हरीसिंह गौर की आत्मकथा के अध्ययन से लिखित माध्यम के रूप में सम्प्रेषण का महत्व समझ सकेंगे।
CO5	महात्मा गांधी और प्रेमचंद के भाषण के अध्ययन से लिखित माध्यम के रूप में सम्प्रेषण की भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे।

Course Contents :

इकाई–1 भाषिक सम्प्रेषण : स्वरूप और सिद्धांत **(10 व्याख्यान)**

- संप्रेषण की अवधारणा और महत्व
- संप्रेषण के विभिन्न मॉडल

इकाई–2 संप्रेषण के प्रकार **(10 व्याख्यान)**

- मौखिक और लिखित
- वैयक्तिक और सामाजिक

10.05.24

Scanned with OKEN Scanner

- व्यावसायिक
- संप्रेषण बाधाएँ और रणनीति

इकाई–3 संप्रेषण के माध्यम **(10 व्याख्यान)**

- एकालाप
- संवाद
- सामूहिक चर्चा

इकाई–4 पाठ विश्लेषण–1 **(10 व्याख्यान)**

संप्रेषण के लिखित माध्यम के रूप में आत्मकथा

- डॉ. हरीसिंह गौर की आत्मकथा 'सेवेन लाइव्ज' का अंश (कैम्ब्रिज में मेरा जीवन)

इकाई–5 पाठ विश्लेषण–2 **(10 व्याख्यान)**

संप्रेषण के लिखित माध्यम के रूप में कोई एक महत्वपूर्ण भाषण

- **महात्मा गांधी**– काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में दिया गया दीक्षान्त भाषण
- **प्रेमचंद**– साहित्य का उद्देश्य

सहायक ग्रन्थ :

- हिन्दी का सामाजिक सन्दर्भ – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- रचना का सरोकार – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- नये जनसंचार माध्यम और हिन्दी – सम्पादक (सुधीश पचौरी एवं अचला शर्मा), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सेवेन लाइव्ज – डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय प्रकाशन, सागर (म.प्र.)
- संप्रेषण परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप – सुरेश कुमार
- साहित्य का उद्देश्य – प्रेमचंद
- महात्मा गांधी – काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का दीक्षान्त भाषण

10.05.24

Scanned with OKEN Scanner